

लोक निर्माण विभाग के अन्तर्गत संचालित प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के कार्यों के निष्पादनार्थ सिंचाई विभाग के निम्नलिखित खण्डों को उचित तैनाती सम्पन्न कार्यों के सहित निम्न प्रतिक्रियाओं की अधीन लोक निर्माण विभाग से सम्बद्ध किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सार्वभौमिकी प्रदान करते हैं :-

क्र.सं.	सिंचाई खण्ड का नाम	लोकनिर्वि में खण्ड का प्रस्तावित मुख्यालय	वृत्त का नाम जिसके अधीन रहेंगे	टिप्पणी
1.	लखवाड कालोनी खण्ड, झाकपत्थर	सिंचाई खण्ड, (पी०डब्ल्यू०डी०) टिहरी	8वां वृत्त लोकनिर्वि टिहरी	जनपद टिहरी मण्डल के प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के निर्माण कार्यों के सम्पादन हेतु
2.	अनुराधान एवं नियोजन खण्ड, जोशीबाड़ा, उत्तरकाशी	सिंचाई खण्ड, (पी०डब्ल्यू०डी०) उत्तरकाशी	6वां वृत्त लोकनिर्वि टिहरी	जनपद उत्तरकाशी के प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के निर्माण कार्यों के सम्पादन हेतु
3.	श्रीनगर निर्माण खण्ड-3, श्रीनगर	सिंचाई खण्ड, (पी०डब्ल्यू०डी०) श्रीनगर	12वां वृत्त लोकनिर्वि पौड़ी	जनपद पौड़ी मण्डल के प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के निर्माण कार्यों के सम्पादन हेतु
4.	अनुराधान एवं नियोजन खण्ड, पिथौरागढ़	सिंचाई खण्ड, (पी०डब्ल्यू०डी०) पिथौरागढ़	पृथ्वी वृत्त लोकनिर्वि पिथौरागढ़	जनपद पिथौरागढ़ एवं चम्पावत के प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के निर्माण कार्यों के सम्पादन हेतु
5.	विष्णुप्रयाग निर्माण खण्ड-1, जोशीबाड़ा (श्रीनगर)	सिंचाई खण्ड, (पी०डब्ल्यू०डी०) बागेश्वर	प्रथम वृत्त लोकनिर्वि अल्मोड़ा	जनपद बागेश्वर के प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के निर्माण कार्यों के सम्पादन हेतु
6.	लखवाड बांध निर्माण खण्ड-1, झाकपत्थर	सिंचाई खण्ड, (पी०डब्ल्यू०डी०) नैनीताल	द्वितीय वृत्त लोक निर्माण विभाग, नैनीताल	जनपद नैनीताल/उद्यमसिंहनगर के प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के निर्माण कार्यों के सम्पादन हेतु

- वर्तमान में तकनीकी कार्यों की चम्पी को धृष्टिगत रखते हुए सम्बद्ध किये गये खण्डों में 01 अधिशासी अभियन्ता, 02 सहायक अभियन्ता एवं 02 कमिष्ट अभियन्ताओं की तैनाती सुनिश्चित की जायेगी किन्तु अन्य कार्यों की यथा आवश्यकता तैनाती की जाये।
- सम्बद्धीकरण अवधि में सम्बद्ध खण्ड के कार्यों पूर्णतः लोक निर्माण विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण में रहेंगे जिसके अन्तर्गत अवकाश स्वीकृति, वार्षिक मूल्यांकन तथा अनुशासनिक/वित्तीय प्रकरणों में निर्णय लेने हेतु लोक निर्माण विभाग में प्रचलित व्यवस्था अनुसार लोक निर्माण विभाग के सम्बन्धित अधिकारी रक्षम होंगे, किन्तु वार्षिक मूल्यांकन के अन्तर्गत अपील अथवा वृहद् दण्ड जैसे प्रकरण नियोजित विभाग अर्थात् सिंचाई विभाग में ही व्यवहृत किये जायेंगे।
- सम्बद्धीकरण अवधि में सिंचाई विभाग के कार्यों की वेतन वृद्धि, प्रोन्नति आदि के बिन्दुओं का निस्तारण सिंचाई विभाग के अन्तर्गत ही अपने यहाँ प्रचलित नियमानुसार व्यवहृत किया जायेगा।

1. लोक निर्माण विभाग द्वारा वांछित खम्बों की स्थापना हेतु सम्बन्धित स्थानों को विद्युत मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष सिंचाई विभाग को उपलब्ध कराया जायेगा और वे अपने स्तर से कारिगों की रीनाची एवं खम्बों के विस्थापन प्राप्ति की समस्त आवश्यक निर्देश निर्गत करेंगे। फिलहाल कारिगों का सम्बन्धितकरण दो वर्ष के लिये किया जायेगा तथा दो वर्ष के बाद की आवश्यकता के सम्बन्ध में दोनों विभागों को मध्य स्तर पर सहायता से प्रयासों का समन्वय निर्णय लिये जायेगा।
2. सम्बन्धित विद्युत लाइन वाले खम्बों में रीनाची कारिगों के वेतन में अतिरिक्त समस्त अन्य अन्य सिंचाई विभाग के अतिरिक्त से ही उपलब्ध कराये जायेंगे तथा लोक निर्माण विभाग से सिंचाई विभाग को कोई वॉन्टेज चार्ज देय नहीं होगा।
3. नये सृजित खम्बों हेतु कार्यालय भवन एवं यथा सम्भव आवश्यक सुविधा लोक निर्माण विभाग द्वारा करायी जायेगी।

भवदीय,

शत्रुघ्न सिंह
सचिव

संख्या 3426 / 11-2007-01(12)/06 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :

1. मिजी सचिव, गा. सिंचाई मंत्री जी को मा.0 मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
2. आयुक्त मन्डवाल एवं कुमांक मण्डल।
3. सचिव, लोक निर्माण विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
4. जिलाधिकारी/कोषाधिकारी, टिहरी, उत्तरकाशी, पौड़ी, पिथौरागढ़, बागेश्वर, अल्मोड़ा एवं नैनीताल।
5. मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष, सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड।
6. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
7. माई फाईल।

आज्ञा से



(टीकन सिंह पंडार)
संयुक्त सचिव